ऐसी लागी लगन, मीरा हो गई मगन ....

है आँख वो जो श्याम का दर्शन किया करे, है शीश जो प्रभु चरण में वंदन किया करे
बेकार वो मुख है, जो रहे व्यर्थ बातों में, मुख वो है जो हरि नाम का सुमिरन किया करे।।
हीरे मोतीऽऽऽ.... हीरे मोती से नहीं शोभा है हाथ की, है हाथ वो जो भगवान् का पूजन किया करे
मर कर भी अमर नाम है उस जीव का जग में, प्रभु प्रेम में बलिदान जो जीवन किया करे।।

ऐसी लागी लगन, मीरा हो गई मगन,
वो तो गली–गली हरि गुण गाने लगी।
महलों में पली, बन के जोगन चली,
मीरा रानी दीवानी कहलाने लगी।
ऐसी लागी लगन..... ।।1 ।।

कोई रोके नहीं, कोई टोके नहीं,
मीरा गोविंद गोपाल गाने लगी।
बैठी संतों के संग, रंगी मोहन के रंग,
मीरा प्रेमी प्रीतम को मनाने लगी,
वो तो गली–गली हरि गुण गाने लगी।
ऐसी लागी लगन..... ।।2 ।।

राणा ने विष दिया, मानो अमृत पिया,
मीरा सागर में सरिता समाने लगी।
दुःख लाखों सहे, मुख से गोविंद कहे,
मीरा गोविंद गोपाल गाने लगी,
वो तो गली–गली हरि गुण गाने लगी।
ऐसी लागी लगन..... ।।3 ।।